'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2018-20
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 22 अंक 8 4 जुलाई 2018 कुल पृष्ठः 8 एक प्रतिः रुपए 7.00 वार्षिक : रुपए 150/-

श्रद्धापूर्वक मनाई स्वाभिमान एवं स्वतंत्रता के वैश्विक प्रतिमान की जयंती

'पलायन करने वाला भारतीय नहीं'

जो बचकर निकल जाता है, पलायन कर जाता है, मैं मानता हूं वह भारतवासी नहीं है। हमारे पास जितना है, उतना किसी के पास नहीं है, भारत वर्ष की संपदा की कोई तुलना नहीं है लेकिन हम अपनेपन को भूल गए, बाहर श्रेष्ठता खोजने लगे, हमारी अपनी श्रेष्ठता को विस्मृत कर दिया लेकिन भाग्य हमारे द्वार खटखटा रहा है, सूर्योदय हो रहा है, उषाकाल आ गया है ऐसे में हम सोते रह गए तो दिक्कत पैदा हो जाएगी इसलिए आवश्यक है कि हम अंतर के संघर्ष से पलायन करने की अपेक्षा भगवान का स्मरण करते हुए संघर्ष में रत होवें क्योंकि पलायन करना हमारी विशेषता नहीं है, भारत की विशेषता नहीं है। जयपुर के रणबंका मैरिज गार्डन में प्रेमसिंह वनवासा के नेतृत्व में महाराणा प्रताप जयंती समारोह समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए माननीय संघप्रमुख श्री ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उपरोक्त बात कही। उन्होंने कहा कि प्रताप ने किसी को आदेश नहीं दिया, कोई बैठक बुलाकर निर्णय नहीं लिया बल्कि व्यक्तिगत निर्णय लिया और उस पर जीवन भर चले। उन्होंने कहा कि दैवीय और असुर संपदा में संघर्ष अवश्यंभावी है, उनमें कभी संगठन नहीं हो सकता और प्रताप का संघर्ष ऐसा ही संघर्ष था। वे भारतीय सनातन संस्कृति के प्रतीक थे इसलिए उन्हें हिन्दुआ सूरज कहा जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन को बिताना, टाईम पास करना समय की हत्या करना है। भगवान ने हमें मरने के लिए नहीं जीने के लिए भेजा है और जो करने के लिए भेजा है वही करें तो जीवन सफल होगा।

समारोह को संबोधित करते हुए संयोजक प्रेमसिंह बनवासा ने कहा कि प्रताप किसी जाति या पंथ विशेष के ही महापुरुष नहीं थे। मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम ने कहा कि भारत ने कभी किसी राष्ट्र पर आक्रमण नहीं किया यह भारत की गुरुता है। कभी भारत की धरती ने भेदभाव नहीं किया। इनके अलावा जयपुर के महापौर अशोक लाहोटी, वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश पुनिया, सांसद रामचरण बोहरा एवं मदनलाल सैनी ने भी संबोधित किया। जयपुर के साथ-साथ पूरे प्रदेश में स्थान-स्थान पर प्रताप जयंती मनाई गई। उदयपुर में प्रति वर्ष की भांति पारंपरिक कार्यक्रम किए गए। संघ की विभिन्न शाखाओं द्वारा भांति-भांति के कार्यक्रम रख जयंती मनाई गई।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बदले की कार्रवाई पर जताया आक्रोश

राजस्थान क्रिकेट अकादमी के कोषाध्यक्ष चुने जाने पर सरकार द्वारा एक पुराने मामले को लेकर बाड़मेर के युवा व्यवसायी एवं उभरती राजनीतिक प्रतिभा आजादसिंह के खिलाफ बदले की कार्रवाई का सर्व समाज ने 18 जून को राणी रुपादे संस्थान में सभा कर विरोध जताया एवं सरकार की ओछी कार्रवाई पर आक्रोश व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि आजादसिंह आरसीए के निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुने गए क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी का आवेदन फार्म जांच में अवैध पाया गया। हालांकि उसे पूर्व में कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया गया था। ऐसा माना जा रहा है कि सरकार समर्थित कोषाध्यक्ष के हटने पर कोषाध्यक्ष बनने से आजादसिंह को सरकार की नाराजगी झेलनी पड़ी एवं बाड़मेर खेल संस्थान में किराए पर चल रहे उनके ऑफिस को सील कर उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। राणी रुपादे संस्थान में हुई बैठक में वक्ताओं ने विगत लोकसभा चुनावों के बाद से ही लगातार समाज के लोगों के खिलाफ हो रही सिलसिलेवार द्वेषतापूर्ण कार्रवाई का जिक्र किया एवं आगामी विधानसभा चुनावों में इसका जवाब देने की बात कही। बैठक को कमलसिंह चूली, पृथ्वीसिंह रामदेरिया, यशवर्धनसिंह झेरली, युसुफ खां, सांगसिंह लुणु, हुकमसिंह अजीत, भंवरलाल जैलिया, नारायणसिंह कपूरड़ी, कमलसिंह राणीगांव, शांति गहलोत, किशोर शर्मा, हरीश धनदे आदि लोगों ने संबोधित किया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

आधुनिक सीकर के निर्माता की जयंती

आधुनिक सीकर के निर्माता राव राजा कल्याणसिंह की जयंती पहली बार 20 जून को सीकर में समारोहपूर्वक मनाई गई। जैन स्कूल सीकर के परिसर में राजकुमार हरदयालसिंह त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एवं गढ परिसर में श्री अग्रवाल सेवा प्रन्यास द्वारा समारोह आयोजित किए गए। उल्लेखनीय है कि सीकर का आधुनिक स्वरूप राव राजा कल्याणसिंह के प्रयासों की देन है। उन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ्य को लेकर विशेष काम किया एवं सीकर में अस्पताल, स्कूल एवं कॉलेज बनवाए। उन्होंने इस सिद्धान्त का पालन करते हुए जनकल्याणकारी कार्यों के लिए मुक्त हस्त खर्च किया कि खाली हाथ आए हैं, खाली हाथ ही जाना पड़ेगा।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

प्रणेता से प्रेरणा

पूज्य तनसिंह जी श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रणेता हैं। उनका जीवन हम सब स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके जीवन की हर घटना हमारे लिए दिशा दर्शक है जो हमें उनके मार्ग पर बढ़ने की प्रेरणा देती है। ऐसी ही प्रेरणादायी घटनाओं का संकलन पथप्रेरक के इस कॉलम में धारावाहिक रूप से प्रकाशित किया जा रहा है।

महापुरुष अपनी नहीं अपने साथ चलने वालों की चिंता किया करते हैं। उन्हें अपने मान सम्मान से अधिक अपने साथियों का मान सम्मान सदैव प्यारा होता है। सामान्य लोग प्रायः छोटी-छोटी बातों को लेकर अपने मान-सम्मान के लिए झींकते रहते हैं लेकिन महापुरुषों के लिए यह विषय गौण होता है। लेकिन अपने साथ चलने वालों व अपने अनुयायियों का सम्मान उनके लिए सर्वोपरि होता है। वे अपने प्रति किए गए अपराधों को क्षमा करते रहते हैं लेकिन अपने अनुयायी के प्रति किया गया अपराध उनके लिए अक्षम्य होता है। पूज्य तनसिंह जी के जीवन की अनेक ऐसी घटनाएं है जब उन्होंने उनके प्रति किए गए अपराधों को नजर अन्दाज किया। उनके साथ रहने वाले लोगों, उनके ही द्वारा पनपाए लोगों द्वारा उनके प्रति अनेक प्रकार के अपराध किए गए। उन पर उन्होंने अनेक प्रकार के आरोप लगाए लेकिन पूज्य श्री ने सहज भाव से सब स्वीकार किया, किसी को कोई जवाब नहीं दिया एवं क्षमामूर्ति बने रहे। लेकिन उनमें से किसी ने या किसी अन्य ने यदि उनके साथ रहने वाले किसी साथी के प्रति कुछ अपराध किया तो उन्होंने उसे माफ नहीं किया बल्कि तुरन्त जवाब भी दिया। दैनिक जीवन में ऐसी अनेक घटनाएं घटी। ऐसी ही एक घटना जोधपुर की है जब उनके साथ काम करने वाले कुछ लोगों ने उनसे विद्रोह किया, उनके प्रति अनेक दुर्भावनाएं व्यक्त की एवं आरोप भी लगाए। पूज्य तनसिंह जी ने उन सबको कुछ नहीं कहा बल्कि सहज भाव से सहन करते रहे। ऐसे लोग विरोध भी करते थे एवं उनसे मिलने भी आते थे। विरोध करने के बावजूद उनके पास आकर रुकते थे, ठहरते थे। उनके साथ रहने वाले अनुयायियों को यह सब सुहाता नहीं था। क्योंकि पूज्य श्री के प्रति निष्ठावान लोगों के सामने ही ऐसे लोग पूज्य श्री की अनर्गल बुराई करते थे और उनके प्रति निष्ठावान स्वयंसेवकों को यह सब नागवार गुजरता था। एक बार ऐसे ही एक व्यक्ति आए। पूज्य तनसिंह भी वहीं बिराजे थे। उनकी इस प्रकार की हरकतों को देखकर पूज्य श्री के साथ रहने वाले स्वयंसेवक ने उन्हें टोका और कह दिया कि जब विरोध ही करते हो तो यहां क्यों आते हो। उक्त महाशय उन स्वयंसेवक पर पिल पड़े और कहने लगे तुम कौन होते हो रोकने वाले, तनसिंह जी कुछ नहीं कहते तो तुम कैसे कह सकते हो। अपने साथी को अनाधिकृत रूप से ऐसे डांटना पूज्य तनसिंह जी नहीं सुहाया और उन्होंने तुरन्त उन महाशय को डांटते हुए कहा कि यह कह रहा है इसका अर्थ मैं ही कह रहा हूं, तुरन्त यहां से निकल जाओ। सदैव शांत रहने वाले पूज्य श्री एकदम से गुस्सा हो गए और अपने साथी के प्रति किए जाने वाले उस छोटे से अपराध को भी सहन नहीं कर सके। यह था उनका अपने साथियों के प्रति प्रेम।

जीवनोपयोगी जानकारी-8

- अभयसिंह रोडला

सामुद्रिक क्षेत्र (भारतीय नौ सेना)

विगत अंक में हमने उड्डयन क्षेत्र में उपलब्ध कॅरियर विकल्पों पर चर्चा की। अब हम सामुद्रिक क्षेत्र में उपलब्ध कॅरियर विकल्पों के बारे में जानेंगे। सामुद्रिक परिवहन देश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का कार्य तो करता ही है, सामरिक दृष्टि से भी देश की सुरक्षा का यह प्रमुख अंग है। निरन्तर बढ़ रहे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के साथ ही सामुद्रिक परिवहन सेवाओं की मांग भी बढ़ रही है क्योंकि कुल अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का 90 प्रतिशत समुद्री मार्ग से निष्पादित होता है। सामुद्रिक क्षेत्र में कॅरियर को मुख्यतः तीन भागों में बांटा जा सकता है :

(1) भारतीय नौ सेना (2) मर्चेन्ट नेवी (3) समुद्र विज्ञान।

1. भारतीय नौ सेना : यह भारतीय सशस्त्र बलों का एक अंग है, जिस पर भारतीय समुद्री क्षेत्र और सामुद्रिक सीमाओं की रक्षा का दायित्व है। भारतीय नौ सेना में नौ सैनिक एवं अधिकारी के रूप में कॅरियर बनाया जा सकता है। नौ सैनिक बनने हेतु दसवीं एवं बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से भर्ती निकलती है। इसके लिए सर्वप्रथम लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है, जिसके पश्चात् शारीरिक एवं चिकित्सकीय परीक्षण के लिए अभ्यार्थी को बुलाया जाता है। तत्पश्चात् लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर वरीयता सूची बनती है तथा चयनित अभ्यार्थियों को निर्णायक चिकित्सकीय परीक्षण के लिए बुलाया जाता है, जिसमें सफल रहने पर अभ्यर्थी को नौ सेना में प्रवेश मिल जाता है।

अधिकारी के रूप में नौ सेना में प्रवेश पाने के दो तरीके हैं : संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से तथा सीधी भर्ती द्वारा। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा इसके लिए NDA/NA तथा CDSE नाम की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जा जाती हैं, जिनमें सफल अभ्यर्थियों को SSB साक्षात्कार हेतु बुलाया जाता है। SSB साक्षात्कार पांच दिन तक चलने वाली व्यक्तित्व परीक्षण की विस्तृत प्रक्रिया है। जिन अभ्यार्थियों के पास NCC का 'C' सर्टिफिकेट है, उन्हें CDS की परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं पड़ती तथा वे सीधे SSB साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। SSB साक्षात्कार में सफल होने वाले अभ्यार्थियों का चिकित्सकीय परीक्षण किया जाता है जिसमें सफल होने पर उन्हें नौ सेना अकादमी में अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण हेतु प्रवेश मिल जाता है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

'गुरु शिखर से' (विविध विषयों का कॉलम)

बारहठ जी को ओडावणी

स्वरूपसिंह जिंझनियाली

मारवाड़ के बाड़मेर परगने ने बिशाला हरसानी मार्ग पर बसा गांव भादरेश चारणों का गांव है। इस गांव के ईसरदास जी बारहठ नामी कवि एवं सिद्ध पुरुष हुए हैं। मालाणी, कच्छ एवं काठियावाड़ धरा में इनका खूब मान सम्मान है। ईसरदास जी की वचन सिद्धि के परचों के खूब चरचे हैं। लोग इन्हें 'ईसरा सो परमेसरा' के नाम से सम्मान देते हैं। लोक कथाओं में ईसरदास का खूब बखान आता है। ईसरदासजी जगह-जगह भ्रमण करते अपने कविता सुनाते आध्यात्म के व्याख्यान देते रहते थे। एक बार अपने प्रवास के दौरान ईसरदासजी नगरचाल नामक गांव से होकर गुजर रहे थे। गांव के एक तरफ सांगा नामक गौड़ राजपूत एवं उसकी विधवा मां का घर था। ईसरदास जी ने यहीं पर रात्रि विश्राम किया। सांगा एवं उसकी मां ने अपने सामार्थ्यनुसार उनकी आवभगत की। सुबह बारहठजी अपने गंतव्य को प्रस्थान करने लगे तब सांगा की मां ने उनसे कहा कि आपको में विदाई में कोई भेंट (ओडावणी) नहीं दे सकती क्योंकि मेरे पास वह नहीं है परन्तु वापसी में आप जरूर मेरे घर पधारना तब तक में ऊन कातकर उसकी सुन्दर कम्बल बुनकर रखूंगी। बारहठजी वापिस आने का वादा कर चले गए।

इधर सांगा की मां कम्बल बनाने में जुट गई। इस दरम्यान गांव के पास अपने बछड़े चराते सांगा को बरसाती नदी बहा कर ले गई। नदी में डूबते जा रहे सांगा ने अपनी मां को आवाज लगाकर बारहठजी को कम्बल भेंट करने की पुकार लगाई।

जल डूबते जाय, साद सांगलिये दियो।
कहजो म्हारी माय, कवि नै दीजे काम्बली।।

कुछ समय बाद भ्रमण से ईसरदासजी वापिस लौटकर सांगा गौड़ के घर आए। जवान बेटे को खो चुकी मां ने बारहठ जी का मान सम्मान कर भोजन परोसा। बारहठजी ने कहा कि माताजी भोजन तो सांगजी आएंगे तब उनके साथ करूंगा। अन्ततः बारहठजी के सांगजी के साथ भोजन करने के हठ पर रोती हुई मां ने उन्हें बताया कि आपके जाने के कुछ समय बाद सांगा बाढ में बह गया परन्तु जाते-जाते वह आपको कम्बल भेंट करने की याद दिला गया। ईसरदास जी यह सुनकर कुछ समय ध्यान मग्न हो गए। फिर झोंपड़े से बाहर आकर वे दोहावली में सांगजी को पुकारने लगे। यह सुनकर बूढी मां भी घर से बाहर आकर देखने लगी तो देखती है कि सांगा बछड़े की पूंछ पकड़ कर गीत गाता हुआ आता दिखता है। मां यह देखकर ईसरदास जी के चरणों में गिर पड़ी। फिर उठकर अपने लाल को छाती से लगा कर रो पड़ी। ईसरदासजी की भक्ति की शक्ति से मां की ममता हिलोरे मारने लगी। डूब के मरा हुआ पुत्र इतने समय बाद मां के आंखों के आगे था।

सांगजी गौड़ और उसकी मां की कम्बल की भेंट और ईसरदास का चमत्कार विलक्षण है :

काम्बल सांगे गौड़ री, हाड़ दधीच कहाय।
करहा मूल कमधा रा, जाता जुगां न जाय।।

अर्थात सांगजी गौड़ की कम्बल की भेंट की उत्कण्ठा, दधीच ऋषि की हड्डियों का दान और राठौड़ मूलसिंह के ऊंटों (करहा) की चारणों को भेंट युगों-युगों तक भुलाई नहीं जा सकती। यह घटना सैकड़ों वर्षों पुरानी है पर इस चमत्कार के चर्चे आज भी लोक कथाओं में जनमानस की जुबान पर हैं।

शहीद भंवरसिंह की मूर्ति का अनावरण

मेड़ितियों की ढाणी चांवडिया (कुचामन) जिला नागौर में 27 जून को 10 वर्ष पहले 27 जून 2008 को कश्मीर आतंकवादियों के विरुद्ध सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई मुठभेड़ में शहीद हुए कमांडो भंवरसिंह शेखावत की मूर्ति का अनावरण समारोह पूर्वक किया गया। अनावरण समारोह में शहीद के परिवारजनों के अतिरिक्त पंचायती राज मंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़, सार्वजनिक निर्माण मंत्री युनूस खान, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, परबतसर विधायक मानसिंह किनसरिया, नावां विधायक विजयसिंह चौधरी, शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष हरीश कुमावत सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। वक्ताओं ने शहीद के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही एवं सर्वाधिक जवान देने वाली नागौर एवं शेखावटी की धरती को नमन किया। समारोह में शहीदों के परिवार जनों का सम्मान किया गया।

प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

प्रा.प्र.शि. जयपुर

प्रा.प्र.शि. काणेटी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों की श्रृंखला में 10 शिविर और जुड़े जो राजस्थान, गुजरात और उत्तरप्रदेश राज्य में सम्पन्न हुए। इनमें बालकों के नौ तथा बालिकाओं का एक शिविर सम्मिलित है।

जयपुर प्रान्त का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर जयपुर शहर के नांगल जैसा बोहरा क्षेत्र में स्थित जगदम्बा सीनियर सैकंडरी स्कूल में सम्पन्न हुआ। 22-24 जून की अवधि में आयोजित इस शिविर में जयपुर में लगने वाली विभिन्न शाखाओं से 140 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए । राजेन्द्र सिंह बोबासर के संचालन में इन स्वयंसेवकों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर संचालक ने शिविरार्थियों को बताया कि जब तक हम अपने स्वधर्म-क्षात्रधर्म का पालन करते रहे तब तक लोगों ने हमें सम्मान के शिखर पर बिठाए रखा और हमें ठाकुर जी की उपाधि देकर ईश्वर के समकक्ष माना। आज हमारे पतन के लिए हम ही जिम्मेवार हैं क्योंकि हमने अपने स्वधर्म का पालन न करके भोग और अधिकार का मार्ग अपना लिया। संभाग प्रमुख विक्रम सिंह सिंघाणा एवं प्रान्त प्रमुख सुधीर सिंह ठाकरियावास शिविर में उपस्थित रहे। संचालन प्रमुख लक्ष्मण सिंह भी एक दिन शिविर में शामिल हुए। शिविर के विदाई कार्यक्रम के साथ एक स्नेहमिलन भी रखा गया जिसमें क्षेत्र में रहने वाले समाजबंधु सम्मिलित हुए। स्नेहमिलन में विद्यालय के मालिक पेप सिंह ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य को अनूठा बताते हुए भविष्य में भी शिविर अथवा अन्य कार्यक्रमों के लिए पूर्ण सहयोग की बात कही।

उत्तरप्रदेश के बिजनोर जिले के मौरना गांव में निर्माणाधीन महाराजा मुकुटसिंह शेखावत संस्थान के प्रांगण में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ के संचालन में 23-26 जून की अवधि में सम्पन्न इस शिविर में बिजनोर एवं अमरोहा क्षेत्र के मौरना, मिलख साहूपुर, खदाना, सिवाला खुर्द, सलाबा, सरथल माधो, चाकरपुर, अलादिनपुर, धनराज, फतेहपुर, बुलंदी, तरकोला आदि गांवों के साथ ही जयपुर एवं दिल्ली के स्वयंसेवक भी सम्मिलित हुए। शिविर प्रमुख ने विदाई कार्यक्रम में शिविरार्थियों से कहा कि आप निरंतर शिविरों में आते रहें तो ही यह समझ पाएंगे कि संघ क्या है? वह क्या करना चाहता है और किस प्रकार करना चाहता है? इसलिए अगले शिविर में संघ आपकी फिर से प्रतीक्षा करेगा। शिविर की व्यवस्था डॉ. प्रमेन्द्र सिंह तथा डॉ. चेतन स्वरूप ने अन्य समाज बंधुओं के सहयोग से संभाली।

गुजरात में मेहसाणा प्रान्त का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर कामली गांव स्थित भद्राणी माता मंदिर में 15-18 जून के बीच सम्पन्न हुआ। इसमें प्रांत के विभिन्न गांवों के राजपूत बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन्द्रजीत सिंह जैतलवासना के संचालन में सम्पन्न शिविर में 16 जून को महाराणा प्रताप जयंती भी मनाई गई जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के समाजबंधु सम्मिलित हुए। गुजरात के ही अहमदाबाद ग्राम्य प्रान्त में बालिकाओं का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 15-17 जून की अवधि में काणेटी गांव स्थित प्राथमिक शाला में सम्पन्न हुआ। जिसमें 120 राजपूत बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर संचालक उर्मिला बा ने बालिकाओं को बताया कि हमें नारी-धर्म के साथ साथ क्षात्रधर्म का भी पालन करना है तथा भावी पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों को ढालने का दायित्व निभाना है। इसी प्रकार जोधपुर संभाग में शेरगढ़ प्रान्त के जिनजिनियाला गांव में चामुंडराय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में 14-17 जून की अवधि में शिविर का आयोजन हुआ जिसका संचालन जोधपुर शहर प्रान्त प्रमुख उम्मेद सिंह सेतरावा ने किया। इस शिविर में सेखाला, बेलवा, बस्तवा, गोपालसर, बालेसर, केतू, घुडियाला, भाळू, जिनजिनयाला आदि गांवों के राजपूत बालकों ने प्रशिक्षण लिया। शिविर के दौरान 16 जून को महाराणा प्रताप जयन्ती भी मनाई गई। इसी अवधि में अजमेर प्रांत के भांवता गांव में शिविर संपन्न हुआ जिसमें भांवता, सांवर, सोल खूर्द, बिलिया, कादेड़ा, जालिया, हरपुरा आदि गांवों के राजपूत बालक सम्मिलित हुए। शिविर का संचालन दिल्ली प्रांत प्रमुख रेवत सिंह धीरा ने किया। शिविर के दौरान महाराणा प्रताप की 478वीं जयंती भी मनाई गई जिसमें ग्रामवासियों ने भी सम्मिलित होकर संघ के बारे में जानकारी प्राप्त की। शिविर की व्यवस्था अगर सिंह भांवता ने अन्य ग्रामवासियों व समाजबंधुओं के सहयोग से संभाली।

पाली प्रान्त के सोजत मंडल में धांगड़वास गांव में 15-18 जून की अवधि में शिविर आयोजित हुआ। जिसमें धांगड़वास, पांचला कलां, ढुन्ढा, खारिया सोढा, झुपेलाव, सारंगवास, गुढा श्यामा बासनी, धींगाणा, बरना, गुड़ारामसिह आदि गांवों सहित पाली शहर से भी क्षत्रिय बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन महोब्बत सिंह धींगाणा ने किया तथा व्यवस्था राजेन्द्र सिंह धांगड़वास ने अन्य ग्रामवासियों के सहयोग से संभाली। इस शिविर के दौरान भी महाराणा प्रताप जयन्ती मनाई गई। इसी अवधि में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर राजसमंद जिले में खेड़ा माताजी मंदिर, मोलेला (हल्दीघाटी) में संपन्न हुआ जिसका संचालन भंवर सिंह बेमला ने किया। शिविर में उदयपुर, राजसमंद, चितौड़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, मंदसौर आदि जिलों के राजपूत बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में 16 जून को महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई तथा शिविर के दौरान शिविरार्थियों को महाराणा प्रताप स्मारक व चेतक स्मारक के दर्शन भी कराए गए।

भंवर सिंह बेमला के संचालन में ही चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी गांव में 11-14 जून तक शिविर संपन्न हुआ। जिसमें उदयपुर, चित्तौड़गढ़, नीमच, डूंगरपुर तथा कोटा जिलों के राजपूत बालक सम्मिलित हुए। इसी प्रकार जालोर संभाग के सांचोर प्रान्त का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर कारोला गांव के माताजी के मंदिर में 23-26 जून की अवधि में आयोजित हुआ। जिसमें सुरावा, कारोला, पुर, चोरा, विरोल, खारा, सिवाड़ा, केरिया, पांचला, रतनपुर, चारणीम, कावतरा आदि गांवों के राजपूत बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रान्त प्रमुख शक्ति सिंह आशापुरा ने शिविर का संचालन किया। बहादुर सिंह एवं मनोहर सिंह कारोला ने शिविर की व्यवस्था संभाली।

प्रा.प्र.शि. जिनजिनियाला

प्रा.प्र.शि. भांवता

संपादकीय

राजनीति, रणनीति और राष्ट्रनीति

राजनीति, रणनीति एवं राष्ट्रनीति ये तीनों शब्द एक दूसरे से जुड़े हैं और एक दूसरे के सहायक है। राज शब्द शासन या प्रशासन के लिए सामान्यता उपयोग में लिया जाता है इसलिए सामान्य परिभाषा में शासन के लिए अपनाई गई नीति राजनीति है लेकिन आज यह नीति शासन के सुचारू संचालन के लिए नहीं होकर शासन हासिल करने के नीति बन गई है। रणनीति में रण शब्द का अर्थ युद्ध का समानार्थी है जो मूलतः संघर्ष का परिचायक है और ऐसे में संघर्ष में सफल होने के लिए अपनाई गई नीति रणनीति कहलाती है। भारत के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में रणनीति ही राजनीति का पर्याय बन चुकी है और चुनावी संघर्ष में सफलता ही मुख्य ध्येय बन चुका है। इस संघर्ष के बीच राष्ट्रनीति कहीं खो गई है जिसका केन्द्र बिन्दु राष्ट्र होता है। पूरा शासन प्रशासन सत्ता मिलते ही इस बात के लिए चिंतित होना प्रारम्भ कर देता है कि अगली बार सत्ता कैसे मिलेगी? शासन प्रशासन के सभी निर्णयों में राजनीति का स्थान, रणनीति ने ले लिया है ऐसे में राष्ट्र नीति का गौण होना स्वाभाविक है। नीतियों के इस प्रतिस्थापन का परिणाम यह है कि पूरा देश बंटा हुआ दिखाई देता है। इस विभाजन का परिणाम है कि जो ऊर्जा एवं क्षमताएं राष्ट्र की सेवा में लगनी चाहिए वह केवल और केवल एक दूसरे को मिटाने में लगी हुई है। इस विभाजन में एक पक्ष दूसरे को मिटाने में ही अपने अस्तित्व की सार्थकता समझने लगा है। परिणाम स्वरूप राजनीति का स्वरूप लोकतांत्रिक नहीं रह गया जिसमें पक्ष-विपक्ष मिलकर राष्ट्र की सेवा में संलग्न होते हैं। आज विभिन्न राजनेताओं के बयानों में राष्ट्र गौण हो गया है इसीलिए तो आतंकवादियों के खिलाफ सेना की कार्रवाई को आम नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई कहा जा रहा है। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक देश में सेना राष्ट्र की संपत्ति होती है और वह सम्पूर्ण राष्ट्र की अस्मिता की रक्षक होती है लेकिन भारतीय राजनीति के वर्तमान स्वरूप में सेना की कार्रवाई को जिस प्रकार चुनाव जीतने की रणनीति का अखाड़ा बनाया जा रहा है वह नितांत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। रमजान के महीने में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का स्थगन की मांग करने वाले क्या यह पुष्ट नहीं करते कि आतंकवाद का संबंध रमजान से संबंधित लोगों से है और गला फाड़-फाड़ कर इस प्रकार के संबंध के विरोध में वोट मांगने वालों की सरकार इस मांग को मानकर क्या संदेश देना चाहती है? केवल सत्ता के लिए रणनीति के तहत राष्ट्रनीति को दांव पर रख कर आतंकवाद को नैतिक समर्थन देने वालों के साथ सत्तासीन होने वाले क्या इतने समय सत्ता भोग कर अब समर्थन वापसी से पाक साफ हो गए? फिर प्रमुख विपक्षी पार्टी द्वारा इस नापाक गठबंधन के विरोध के लिए दिए जा रहे आत्मघाती बयान क्या उसके राष्ट्रीय चरित्र पर प्रश्न नहीं उठाते? लेकिन ऐसा लगता है कि राजनीति, रणनीति एवं राष्ट्रनीति में केवल रणनीति ही प्रभावी रही है और उसने राजनीति और राष्ट्रनीति दोनों को दबा दिया है। इसलिए नीति नाम पर एक ही नीति शेष रही है और वह है चुनाव जीतने की नीति। इसलिए सत्ता भोगने को समर्थन दिया जाता है और चुनाव जीतने को वापिस ले लिया जाता है। चुनाव जीतने के लिए आतंकवादियों को आम नागरिक बताया जाता है। चुनाव जीतने के लिए हिन्दुत्व शब्द की उपस्थिति पर ही प्रश्न उठाया जाता है। चुनाव जीतने के लिए जासूसों द्वारा लिखी पुस्तक के विमोचन को पाकिस्तानी कार्यक्रम बताया जाता है। चुनाव जीतने के लिए मंदिरों और मस्जिदों में धोक लगाई जाती है। टोपियां पहनी या नकारी जाती है। चुनाव जीतने के लिए देश के पूर्व प्रधानमंत्री की राष्ट्रभक्ति पर प्रश्न उठाए जाते हैं। चुनाव जीतने के लिए सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था को नकारा जाता है और उसके निर्णयों के विरुद्ध खुला विद्रोह करने को उकसाया जाता है। इन सब के बीच राष्ट्रनीति सर्वाधिक उपेक्षित होती जा रही है। व्यक्ति महत्वपूर्ण होता जा रहा है, व्यक्तियों का समूह महत्त्वपूर्ण होता जा रहा है, पार्टी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है और राष्ट्र गौण होता जा रहा है। ऐसे में राष्ट्र के हर जागरुक नागरिक का कर्तव्य है कि वह स्वयं को जागृत रखने के साथ-साथ राष्ट्र में भी जागरण के लिए अपना यथाशक्ति योगदान देकर सत्ता के लिए अपनाई जा रही रणनीति को राष्ट्र के लिए रणनीति में रूपांतरित करने का बीड़ा उठाए। हमारा प्रश्न हो सकता है कि हम अकेले क्या कर सकते हैं तो हो सकता है आपकी बात सही हो लेकिन आप सत्ता के लिए राष्ट्र पर हो रहे घात में शामिल न होकर अपने आपको इस अपराध से बचा तो सकते हैं और यदि हर व्यक्ति इस अपराध में शामिल न होने का संकल्प ले तो क्या कुछ असंभव है? आवश्यकता बस इस संकल्प की है कि हम राष्ट्र पर घात करने वाले किसी भी व्यक्ति के जाने-अनजाने में सहयोगी नहीं बनेंगे।

महाराजा छत्रसाल जयंती मनाई

महोबा के चरखारी कस्बे के रावबाग पैलेस में क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में महाराजा छत्रसाल जयंती 17 जून को मनाई गई। वक्ताओं ने महाराजा छत्रसाल बुंदेला के शौर्य को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में 57 युद्ध लड़े। जीवन भर संघर्ष कर बुंदेलखंड को मुगल आक्रांताओं से मुक्त रखा। उन्होंने बुंदेलखंड की सीमा का नर्मदा, यमुना, चंबल और टोंस नदी के बीच विस्तार किया। जयंती कार्यक्रम की अध्यक्षता जयराजसिंह जुदेव ने की। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अरविन्द सिंह चौहान, महिपालसिंह तोमर, क्षत्रिय सभा के जिलाध्यक्ष अजयसिंह आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन रामसिंह बुंदेला ने किया।

खरी-खरी

राजनेता और समाज

राजनेता और समाज विषय इतना वृहत एवं चर्चित है कि इस पर हर बार चर्चा का अवसर मिल ही जाता है। राजनीति सभी की रूचि का विषय है और यह रुचि ही इस चर्चा को लगातार बनाए रखती है। पथप्रेरक के इस कॉलम में भी यह विषय विभिन्न संदर्भों में अनेक बार चर्चा का विषय बन चुका है। इस बार बाड़मेर के युवा राजनीतिज्ञ आजादसिंह पर बदनीयत से हुई सरकारी कार्रवाई के विरोध में समाज की प्रतिक्रिया के बीच सोशल मीडिया में वायरल हुए एक संदेश ने इस चर्चा को एक नया संदर्भ दिया है। इस विरोध के बीच प्रसारित इस संदेश में 2 अप्रेल को अनुसूचित जाति के लोगों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरुद्ध करवाए गए भारत बंद के संदर्भ में युवा राजनीतिज्ञों द्वारा उनके पक्ष में दिए बयानों पर प्रश्न उठाया गया था जबकि उन दंगाईयों ने बाड़मेर में कुछ राजपूतों की दुकानें लूटी थी। वैसे तो यह संदेश वायरल करने का यह उपयुक्त समय नहीं था क्योंकि इस प्रकार के संकट के समय पूरे समाज को एकजुटता दिखानी चाहिए एवं ऐसे संदर्भों को आधार बनाकर बंटा हुआ दिखने की किसी भी कार्रवाई से बचना चाहिए और समाज ने परिपक्वता दिखाते हुए ऐसा ही किया। एकजुटता का परिचय देते हुए सभी आजादसिंह के साथ खड़े रहे लेकिन उक्त संदेश पर सोशल मीडिया में आई प्रतिक्रिया ने राजनीतिज्ञों के लिए एक संदेश जरूर छोड़ा है कि समाज उन्हें अपनी संतान मानता है एवं अपनी संतान पर आने वाले हर संकट को अपने आप पर आया हुआ संकट मानता है लेकिन राजनीति में आने वालों को भी सावधानीपूर्वक सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि हम सभी समाज माता की संतान है और उसकी हर संतान मां के लिए समान महत्व रखती है। निश्चित रूप से समाज के हर राजनीतिज्ञ की राजनीतिक जीवन की अपनी मजबूरियां होती हैं और उन मजबूरियों के चलते उसे अनेक बार ऐसा करना पड़ता है जो समाज के अन्य लोगों को ठीक नहीं लगता। ऐसे में अन्य लोगों को उस मजबूरी को समझना चाहिए और बड़ा दिल रखना चाहिए। लेकिन साथ ही राजनीतिज्ञों को भी समझना चाहिए कि उनकी राजनीतिज्ञ मजबूरी कहीं समाज के किसी अन्य बंधु को आहत तो नहीं कर रही है। कहीं उसे ऐसा तो नहीं लग रहा है कि आप स्वयं की राजनीति मजबूरियों के चक्कर में समाज के व्यापक हितों की उपेक्षा कर रहे है। आपकी ऐसी उपेक्षा आपको समाज के आम बंधु की नजर में इस प्रकार का विशिष्ट बनाती है जिनके लिए समाज से ज्यादा स्वयं की मजबूरियां अधिक महत्व रखती हैं और फिर वह सदैव आपको विशिष्ट ही मानता है। ऐसे में जब कभी आपको भाई मानने का अवसर आता है तब उसका वह आहत अहंकार अड़ता है और वह अड़ा हुआ अहंकार ही एकजुटता दिखाने के अवसर पर अलग राह अपनाता दिखता है। आदर्श स्थिति तो यह है कि समाज आपको बनाए, आपकी मजबूरियां समझे एवं आप अपने आपको सदैव समाज के साथ खड़ा रखें। इस प्रकार एक दूसरे के लिए स्वयं के अहंकार एवं स्वार्थ को छोड़ना ही श्रेष्ठ संबंधों का सृजन करता है। आपसी समझ एवं सहयोग से ही सामाजिक भाव का सृजन होता है और यह समझ एवं सहयोग व्यक्ति व व्यक्ति के बीच तथा व्यक्ति व समाज के बीच सदा बनी रहनी चाहिए। यदि व्यक्ति समाज के वृहत हितों के समक्ष सावधानी पूर्वक अपने निजी हितों का समर्पण करता है तो समाज उन हितों का संरक्षण करता है और समाज ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह अपनी संतान के हितों के संरक्षण के लिए सदैव सक्रिय होता है। ऐसे में समाज के सहयोग एवं संरक्षण से राजनीति में आने की चाह रखने वाले हर व्यक्ति को सावधानी रखनी चाहिए कि कहीं समाज के लोग यह नहीं मानने लगे कि आपके लिए समाज से पहले अपना व्यक्तिगत हित लाभ महत्त्वपूर्ण है और उनके लिए आप समाज के विपरीत भी जा सकते हैं। इस संदर्भ के साथ ही एक और संदर्भ की ओर इस प्रकरण ने ध्यान आकर्षित किया है कि राजनीति की गला काट प्रतिस्पर्धा एवं गिरता स्तर आपकी हर छोटी बात पर नजर रखता हैं एवं अवसर की ताक में रहता है ऐसे में यदि आप पर कोई आंच आती है तो नुकसान केवल आपका नहीं होता बल्कि पूरे समाज का होता है क्योंकि आपका सार्वजनिक जीवन समाज की संपत्ति बन चुका है इसलिए हर कदम पर सावधानी की दरकार है।

भीलवाड़ा

(पृष्ठ एक का शेष)

पलायन करने...

जालोर शाखा द्वारा जिला परिषद सभागार में विचार गोष्ठी रखी गई जिसमें जिला प्रमुख बन्नेसिंह गोहिल, विधायक अमृता मेघवाल, पूर्व मंत्री जोगेश्वर गर्ग, भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्रसिंह बालावत, मदनराज बोहरा, मानवेन्द्र राजपुरोहित, अर्जुनसिंह उज्जवल आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रताप को स्वतंत्रता एवं स्वाभिमान का वैश्विक प्रतिमान बताया। जालोर की सुरावा शाखा में कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी जातियों के लोग शामिल हुए। शेरगढ़ के जिनजिनयाला में आयोजित शिविर के दौरान जयंती मनाई गई। इसी प्रकार पाली प्रांत के धांगडवास में चल रहे शिविर के दौरान ही जयंती मनाई गई। वीर दुर्गादास राठौड़ छात्रावास पाली में कार्यक्रम रखा गया।

सूरत के प्रवासी राजपूत बंधुओं ने राजस्थान राजपूत समाज के तत्वावधान में पांडेसरा समाज भवन से गोडादरा स्थित महाराणा प्रताप चौक तक वाहन रैली निकाली एवं शाम को समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा। समारोह को भाजपा प्रदेश महामंत्री भरतसिंह परमार, राजस्थान राजपूत समाज अध्यक्ष रतनसिंह आदि ने संबोधित किया। अखंड राजपूताना सेवा संस्थान की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार साहिबाबाद के प्रताप चौक में एमएलसी हेमसिंह पुंडीर व विधायक सुनील शर्मा के आतिथ्य में जयंती मनाई गई। हल्दीघाटी में संघ के शिविर के दौरान जयंती मनाई गई। नागौर के करणी ग्रुप द्वारा अमर राजपूत छात्रावास में जयंती मनाई गई। हनुमानगढ़ जिले के नोहर कस्बे में प्रताप युवा शक्ति एवं हिन्दु जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में जयंती मनाई गई। जोधपुर में मेघराजसिंह रॉयल के आतिथ्य में जयंती मनाई गई।

भीलवाड़ा में प्रताप युवा शक्ति द्वारा विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली को पांसल चौराहे से सांसद सुभाष बहेड़िया एवं खड़ेश्वर महाराज ने झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के पश्चात समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जिला प्रमुख शक्तिसिंह हाडा, विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, युगप्रदीपसिंह हमीरगढ़, राजेन्द्रसिंह भिंयाड़, कुलदीपसिंह सिरसला, पूर्व विधायक प्रदीप कुमार सिंह आदि अतिथि के रूप में शामिल हुए। पाली जिले के सोजत, रायपुर, बाली आदि स्थानों पर रैलियां निकालकर समारोह पूर्वक जयंती मनाई गई। रतनगढ़ में भी रैली निकालने के पश्चात् समारोह का आयोजन हुआ जिसमें सुमेरसिंह गुडा ने प्रताप के जीवन वृत की जानकारी दी। समारोह में नूंवा, पायली, भरपालसर आदि गांवों के युवाओं का विशेष सहयोग रहा। केकड़ी में क्षत्रिय सभा द्वारा प्रताप जयंती का आयोजन किया गया जिसे संबोधित करते हुए पूर्व विधायक प्रतापसिंह खाचरियावास ने उन्हें सामाजिक समरसता का सच्चा प्रतीक बताया। रीजनल पासपोर्ट अधिकारी राजेन्द्रसिंह आंतरी ने कहा कि राजपूत होना अच्छाई, पराक्रम और आदर का पर्याय है। हम संस्कृति के संवाहक हैं। सामाजिक कार्यकर्ता यशवर्धनसिंह ने कहा कि शौर्य का मतलब केवल तलवार लहराना नहीं है बल्कि समयानुकूल हथियारों का उपयोग करते हुए संघर्ष में अडिग रहना है। राजस्थान लोकसेवा आयोग के सदस्य शिवसिंह ने कहा कि प्रताप पर विचार व्यक्त करना सूरज को दीपक दिखाना है। समारोह से पूर्व वाहन रैली निकाली गई एवं समारोह के दौरान प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। राजपूत सभा जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप के महान व्यक्ति व को किसी धर्म जाति या प्रदेश की सीमाओं में आबद्ध नहीं किया जा सकता। वे भारत के राष्ट्र नायक थे। भवानी निकेतन छात्रसंघ जयपुर द्वारा झोटवाड़ा रोड स्थित फतेह निवास में जयंती मनाई गई जिसमें वक्ताओं ने प्रताप के जीवन को प्रेरणा का स्रोत बताया। सरदारशहर स्थित महाराणा प्रताप स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि प्रताप ने गुलामी के तहत सुख और वैभव के मार्ग की अपेक्षा कांटो भरे स्वाधीनता के मार्ग को चुना और अमर हो गए।

गुजरात में काणेटी में चल रहे बालिका शिविर में 16 जून की रात्रि में प्रताप जयंती का कार्यक्रम रखा गया जिसमें मातृ शक्ति भी बड़ी संख्या में शामिल हुई। काणेटी के साथ-साथ तहसील भर के लोग शामिल हुए। राजपूत विकास संघ साणंद के अध्यक्ष दशरथसिंह पलवाड़ा व गोहिलवाड़ संभाग के संभाग प्रमुख धर्मेन्द्रसिंह आंबली ने प्रताप के जीवन वृत के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा भी देश भर में जयंती मनाने के समाचार प्राप्त हुए हैं। अनेक स्थानों पर आंग्ल तिथि अनुसार 9 मई को ही जयंती मना ली गई थी।

सूरत

भगवानसिंह शक्तावत को इंडियन अचीवमेंट अर्वाड

मंदसौर के किसान मोर्चा अध्यक्ष भगवानसिंह शक्तावत को केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले द्वारा कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने पर इंडियन अचीवमेंट अवार्ड दिया गया है। यह समारोह विश्व युवक केन्द्र नई दिल्ली में आयोजित हुआ। भगवानसिंह मालवा में संघ के सहयोगी महेन्द्रसिंह फतेहगढ़ के छोटे भाई हैं।

हार्दिक बधाई

डिम्पल कंवर

डिम्पल कंवर

पुत्री मालूसिंह भाटी निवासी : मोरखाना, के बारहवीं कला वर्ग में 79.60 प्रतिशत इतिहास विषय में

मालूसिंह

बीकानेर में प्रथम स्थान आने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

बालिका ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के दो बालिका शिविर कर रखे हैं।

महावीरसिंह, प्रदीपसिंह भाटी, मोरखाना

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे परिवार की प्रतिभाएं

रीतिका कंवर पुत्री भंवरसिंह भाटी कक्षा 12वीं विज्ञान में 95.60 प्रतिशत, नोखा तहसील में प्रथम व बीकानेर जिले में तृतीय स्थान।

संगीता कंवर पुत्री प्रतापसिंह भाटी कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग में 93.80 प्रतिशत नोख तहसील में तृतीय स्थान।

अजयपाल सिंह पुत्र प्रतापसिंह भाटी कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग में 88.60 प्रतिशत।

चंचल कंवर पुत्री भंवरसिंह भाटी कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग में 84.60 प्रतिशत।

को उनके श्रेष्ठ परिणाम के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

प्रतापसिंह 9460000469, 7726039849

शुभेच्छु

भंवरसिंह 9460904425, 7226039849

आलू, प्याज, लहसुन, फल एवं सब्जी के कमीशन एजेन्ट एवं थोक विक्रेता, कटला चौक, सब्जी मंडी, नोखा, मूल निवासी : कक्कू, बीकानेर।

अलख नयन मंदिर
नेत्र संस्थान

रजि. केन्द्र
आर्थिक नगर, जयपुर-313001, फोन नं. 0294-2413000, 2328889, 9772204628

मुख्य केन्द्र
"अलख प्लैक" डालमिया एक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, जयपुर फोन नं. 0294-2400010, 11,12,13, 9772204624

e-mail : info@alakhnayanmandir.org website : www.alakhnayanmandir.org

City Centre

अब आपकी सेवा में

आँखों से सम्बन्धित रोगों के निदान का विश्वसनीय केन्द्र
- केटरेक्ट एंड रिफ्रेक्टिव सर्जरी
- कॉन्टेक्ट लेंस क्लिनिक
- रेटिना
- कॉर्निया
- ग्लूकोमा
- अल्प दृष्टि उपकरण
- बाल नेत्र चिकित्सा
- भैंगापन
- आई बैंक व प्रत्यारोपण केन्द्र

सुपर स्पेशिलाइज एवं अनुभवी नेत्र विशेषज्ञ

डॉ. एल.एस. झाला — केटरेक्ट एंड रिफ्रेक्टिव सर्जन
डॉ. विनीत आर्य — ग्लूकोमा विशेषज्ञ
डॉ. शिवानी चौहान — बालरोग
डॉ. राकेश आर्य — रेटिना विशेषज्ञ
डॉ. नितिश खतुरिया — कॉर्निया विशेषज्ञ
डॉ. गर्व विश्नोई — कॉस्मेटिक रेटिनोलॉजी

- शिक्षण (PG Ophthalmology) व (Hands-on) प्रशिक्षण संस्थान
- निःशुल्क अति विशिष्ट नेत्र चिकित्सा (जरूरतमंद रोगियों के लिए फ्री आई केयर)

विजन केन्द्र

रेवदर में युवा मार्गदर्शन एवं संवाद कार्यशाला

प्रदेश भर में जनवरी माह से संघ के कर्मचारी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्रारम्भ हुई युवा मार्गदर्शन एवं संवाद कार्यशालाओं की श्रृंखला में 17 जून को सिरोही जिले में रेवदर के निकट लुणोल के वेडेश्वर मामाजी मंदिर में कार्यक्रम रखा गया जिसमें पूरे सिरोही जिले से युवक एवं प्रौढ़ शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता यशवर्धनसिंह झेरली ने सूचना का अधिकार, सरकार की शिकायत निवारण व्यवस्था, संवैधानिक साधनों एवं जनहित याचिकाओं के बारे में व्यवहारिक उदाहरणों सहित जानकारी दी। कर्नल नारायणसिंह बेलवा ने सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों में नौकरी के अवसरों एवं प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुरुषार्थ की चाबी लगाए रखने से ही भाग्य का ताला खुलता है। वरिष्ठ आर.ए.एस. अधिकारी महेन्द्र प्रताप सिंह गिराब ने कहा कि परिवार एवं समाज को स्वयं पर गर्व करने लायक बनाने के लिए मेहनत ही एक मात्र उपाय है। विकल्प नहीं हो तो सफलता के अवसर अधिक होते हैं। इसलिए सभी विकल्पों को नकार कर एक मात्र लक्ष्य बनाकर सभी भ्रांतियों को नकार कर पुरुषार्थ की आवश्यकता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रतिनिधि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजेन्द्रसिंह आंतरी ने कहा कि हम हमारे जेहन में व्यर्थ की भ्रांतियां एवं शर्तें बना लेते हैं और वे हमारे आगे बढ़ने में बाधक बनती हैं। हर व्यक्ति की अपनी क्षमता एवं स्वभाव होता है। दूसरों के जीवन वृत से प्रेरणा लेकर अपनी क्षमताओं को पहचानना चाहिए एवं तद्नुकूल तैयारी करने पर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। संवाद के सत्र में संभागियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए राजस्थान लेखा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी दलपतसिंह गुड़ा केशरसिंह ने कहा कि संघ के सानिध्य से मिले आत्म विश्वास ने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करने के संकल्प को दृढ़ता प्रदान की एवं कमजोर शैक्षणिक पृष्ठभूमि को बावजूद सफल हो पाया। रोहट विकास अधिकारी भुवनेश्वर सिंह ने कहा कि संकल्प की दृढ़ता के सामने शारीरिक अक्षमता बौनी हो जाती है इसलिए संकल्प को दृढ़ बनाएं। गुजरात न्यायिक सेवा परीक्षा में प्रथम आए गौतमसिंह मगरीवाड़ा ने न्यायिक सेवा के अवसरों की जानकारी दी एवं बताया कि सेना की तरह न्यायिक सेवा भी अनिवार्य है एवं इसमें अवसरों का बाहुल्य है। कार्यक्रम के आयोजन में भवानीसिंह भटाना, भागीरथ सिंह लुणोल, ईश्वरसिंह सरणकाखेड़ा आदि ने मुख्य भूमिका निभाई।

राव चांदाजी की 513वीं जयंती मनाई

चांदावत राठौड़ों के प्रथम पुरुष राव चांदाजी की 513वीं जयंती पुष्कर के निकट मझेलाव गांव में 20 जून को समारोह पूर्वक मनाई गई। समारोह के मुख्य अतिथि पंचायती राजमंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने कहा कि सामाजिक संगठनों द्वारा राजनेताओं के बहिष्कार की बातें अपरिपक्वता दर्शाती है। सबके आपसी सहयोग से समाज के लोगों को आगे बढ़ाया जा सकता है। सांसद हरिओमसिंह राठौड़ ने कहा कि हमे समाज के महापुरुषों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। भंवरसिंह पलाड़ा, कल्याणसिंह चांपावत, गोपालसिंह बालूंदा आदि ने भी राव चांदाजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणा लेने की बात कही एवं समाज की वर्तमान आवश्यकताओं शिक्षा, व्यवसाय आदि के क्षेत्र में संगठित प्रयास की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर शिक्षा, प्रशासनिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। आयोजन की समस्त जिम्मेदारी मझेलाव गांव के समाज बंधुओं ने निभाई एवं अगली 514वीं जयंती कंबलाई गांव में मनाने का निर्णय लिया।

नागौर प्रांत की बैठक

नागौर प्रांत की कार्ययोजना बैठक 24 जून को नागौर में रखी गई जिसमें संभाग प्रमुख शिम्भुसिंह आसरवा सहित सभी दायित्वाधीन स्वयंसेवक शामिल हुए। बैठक में आगामी दिसम्बर तक की कार्ययोजना बनाई गई। संभावित शाखाओं एवं शिविरों के स्थान चिह्नित किए गए। उत्सवों व जयंतियों की योजना बनी एवं संघशक्ति, पथप्रेरक की ग्राहक सदस्यता हेतु लक्ष्य दिए गए। वयोवृद्ध स्वयंसेवक कर्णसिंह चावंडिया का सान्निध्य सभी के लिए प्रेरणादायी रहा। लाडनूं-सुजानगढ़ प्रांत की बैठक 24 जून को सियाणा में आयोजित हुई जिसमें दिसम्बर माह तक की कार्ययोजना बनाई गई। 4 प्रा.प्र.शि. एवं 1 मा.प्र.शि. के स्थान चिह्नित किए गए। शाखाओं के स्थान चिह्नित किए एवं संघ शक्ति, पथप्रेरक की ग्राहक सदस्यता के लक्ष्य लिए गए।

टीके एवं शराब को नकारा

मुंबई में तणेराज शाखा के स्वयंसेवक भरतसिंह जेमली (उदयपुर) ने 21 जून 2018 को अपने विवाह के अवसर पर टीके के रूप में वधु पक्ष की ओर से मात्र एक रुपया एवं नारियल स्वीकारा। साथ ही विवाह में शराब का सेवन नहीं किया गया। भरतसिंह के पिताजी की तरफ से की गई इस पहल को सभी ने सराहा।

पूज्य हरिसिंह गढुला की जयंती मनाई

गुजरात में श्री क्षत्रिय युवक संघ का बीजारोपण करने वाले पूज्य हरिसिंह जी बापू (गढुला) की जयंती 24 जून को बनासकांठा के मोटा मेसरा में मनाई गई। सांघिक परम्परानुसार प्रारम्भ हुए कार्यक्रम के प्रारम्भ में बनासकांठा में चल रहे संघ कार्य की जानकारी दी गई। अजीतसिंह कुणघेर ने हरिसिंह जी बापू के जीवन वृतांत को बताते हुए गुजरात में संघ प्रवेश की भूमिका बताई एवं पूज्य बापू के जीवन से संबंधित अनेक प्रसंग बताए। बापू की लिखी पुस्तक 'मानवी मर जीवा' के बारे में जानकारी देते हुए उसे पढ़ने का विशेष आग्रह किया। उन्होंने बताया कि राजस्थान के भू-स्वामी आंदोलन के समय बापू पूज्य तनसिंह जी एवं श्रद्धेय आयुवानसिंह जी के संपर्क में आए। राजस्थान में सांघिक गतिविधियों से प्रभावित होकर उन्होंने भावनगर बोर्डिंग में पहला शिविर लगवाया। कार्यक्रम की व्यवस्था दलपतसिंह मोटामेसरा एवं उम्मेदसिंह ने की। शाखा लगाने की तरीके के बारे में अजीतसिंह कुणघेर ने जानकारी दी। भावनगर में पूज्य हरिसिंह गुढला की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में धर्मेन्द्रसिंह आंबली ने पूज्य बापू के जीवन चरित्र के बारे में जानकारी दी वहीं छन्नुभा पच्छेगाम ने संघ की आवश्यकता एवं कार्य प्रणाली की जानकारी दी। इस अवसर पर आई महिलाओं ने भक्तिनगर में साप्ताहिक शाखा प्रारम्भ करने का निर्णय लिया। पूज्य हरिसिंह के पौत्र भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

सूरत में सम्पर्क यात्रा

सूरत के निकट स्थित गांवों में वहां के मूल निवासी क्षत्रिय बंधुओं तक संघ की बात पहुंचाने के लिए 24 जून को संभाग प्रमुख दीवानसिंह काणेटी एवं सूरत प्रांत प्रमुख खेतसिंह चांदेसरा के नेतृत्व में एक दल ने सम्पर्क यात्रा का आयोजन किया। सर्व प्रथम नर्मदा जिले के राजपीपला गांव के राजवन पैलेस में स्नेहमिलन रखा गया जिसमें दीवानसिंह काणेटी ने पूज्य तनसिंह जी का परिचय व दिग्विजयसिंह पलवाड़ा ने संघ परिचय प्रस्तुत किया। खेतसिंह चांदेसरा ने आगामी शिविरों की सूचना दी। इसके उपरान्त चलथान गांव में आसपास के गांवों के समाज बंधुओं का स्नेहमिलन रखा। यहां निकट स्थित कराडा शिव मंदिर में पूर्व में शिविर हो चुका है और स्नेहमिलन में पूर्व में शिविर कर चुके समाज बंधु भी शामिल हुए। आपस में चर्चा कर सभी ने कराड़ा में साप्ताहिक शाखा लगाने का निर्णय लिया एवं आगामी शिविरों में स्थानीय समाज बंधुओं को लेकर आने का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में संघ का परिचय भवानीसिंह माडपुरिया ने प्रस्तुत किया।

भारतीय टीम में चयन

महिपालसिंह पुत्र जयसिंह गांव झिंझनियाली जिला जैसलमेर का भारतीय बास्केटबॉल टीम (19 वर्ष) में चयन हुआ है। इनके पिताजी राजस्थान पुलिस से सेवानिवृत है। महिपाल दो बार ओपन स्कूल टूर्नामेंट खेल चुके हैं 3 बार जुनियर इंडिया टीम में बेस्ट प्लेयर रहे हैं।

सद्कर्मों से मिलती है परमात्मा की कृपा

सद्कर्मों से ही परमात्मा की कृपा मिलती है। परमेश्वर के निकट ले जाने वाला सर्वश्रेष्ठ गुण सद्कर्म है। जो सद्कर्म करते हैं परमेश्वर उन्हें अपने क्षेत्राधिकार में लेकर उनका योग क्षेम वहन करता है। नागौर जिले के सिरसला गांव में श्री चारभुजा नाथ मंदिर के जीणोद्धार कार्य के प्रारम्भ के अवसर पर उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह सरवड़ी ने उपर्युक्त बात कही। उल्लेखनीय है कि श्री सरवड़ी के दादीसा चन्द्रकंवरजी ने सर्वप्रथम इस मंदिर का निर्माण करवाया था। चन्द्रकंवर जी के भुआसा प्रत्येक ग्यारस के दिन चारभुजा नाथ के दर्शन करने मेड़ता जाते थे। उम्र अधिक होने पर उन्होंने भगवान के समक्ष दर्शन कर पाने की अक्षमता जाहिर की तब यह मूर्ति गांव में ही प्रकट हुई ऐसा गांव वाले मानते हैं। उसी मूर्ति का मंदिर पूर्व में चन्द्रकंवर जी ने बनवाया जिसके जीर्ण होने पर जीर्णोद्धार गांव वालों द्वारा करवाया जा रहा है। इस अवसर पर सिरसला के आसपास के गांवों के भक्त भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कलश यात्रा के बाद समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुलदीपसिंह सिरसला ने किया।

किरण कंवर सुपुत्री गणपतसिंह राठौड़ रिछड़ी (सिरोही) हाल निवास मुंबई 10वीं में 87.00 प्रतिशत, महाराष्ट्र बोर्ड।

जोगसिंह पुत्र जालमसिंह बावतरा (जालोर) 10वीं आरबीएसई में 80.67 प्रतिशत।

विक्रमसिंह पुत्र नगसिंह खिरजां आशा (जोधपुर) 10वीं आरबीएसई 88.67 प्रतिशत।

गणपतसिंह पुत्र शैतानसिंह चौहान चांदना (जालोर) 10वीं आरबीएसई 84.17 प्रतिशत।

प्रीति शेखावत पुत्री शार्दुल सिंह दूलरासर हाल रोडा, बीकानेर कक्षा 10वीं आरबीएसई में 83.83 प्रतिशत।

शम्भूसिंह पुत्र श्री रामसिंह झिंनझनियाली, जैसलमेर 10वीं आरबीएसई में 80.33 प्रतिशत।

पूनम कंवर पुत्री स्व. गणपत सिंह गांव-सिवाना, जिला-बाडमेर 10वीं आरबीएसई में 81.33 प्रतिशत।

यशस्वीराज सिंह पुत्र अर्जुनसिंह देलदरी, जालोर 10वीं आरबीएसई में 89.33 प्रतिशत

भरतसिंह पुत्र अर्जुन सिंह महेशपुरा, जालोर 10वीं आरबीएसई में 94.50 प्रतिशत।

लक्ष्मणसिंह सोढ़ा पुत्र भगवान सिंह सोढ़ा निवासी बूंगड़ी हाल नोखा (बीकानेर) कक्षा 10वीं आरबीएसई में 88.17 प्रतिशत।

रीतिका कंवर पुत्री भंवरसिंह भाटी कक्कू बीकानेर 12वीं विज्ञान वर्ग आरबीएसई में 95.60 प्रतिशत।

चंचल कंवर पुत्री भंवरसिंह भाटी कक्कू बीकानेर 12वीं विज्ञान वर्ग आरबीएसई में 84.60 प्रतिशत।

संगीता कंवर पुत्री प्रतापसिंह भाटी कक्कू बीकानेर 12वीं विज्ञान वर्ग आरबीएसई में 93.80 प्रतिशत।

अजयपालसिंह पुत्र प्रतापसिंह भाटी कक्कू बीकानेर 12वीं विज्ञान वर्ग आरबीएसई में 88.60 प्रतिशत।

डिम्पलकंवर पुत्री मालूसिंह भाटी मोरखाना (बीकानेर) 12वीं विज्ञान वर्ग आरबीएसई 79.60 प्रतिशत।

जोगराजसिंह पुत्र गुलाबसिंह कालेवा (बाड़मेर) 12वीं कला वर्ग आरबीएसई में 83.20 प्रतिशत।

तनसिंह पुत्र शैतानसिंह चिड़िया (बाड़मेर) 12वीं विज्ञान वर्ग आरबीएसई में 84.60 प्रतिशत।

युवराजसिंह पुत्र रुपेन्द्रसिंह जसोल (बाड़मेर) 12वीं विज्ञान वर्ग सीबीएसई में 84.60 प्रतिशत।

प्रियंका कंवर पुत्री हीरसिंह कालेवा (बाड़मेर) 12वीं कला वर्ग आरबीएसई में 82.60 प्रतिशत।

प्रतिभाएं

कक्षा 10वीं व 12वीं के परिणाम आ गए है। समाज के अनेक होनहारों ने अच्छा परिणाम लेकर अपने परिवार एवं समाज का नाम रोशन किया है। ऐसे विद्यार्थियों की सूचना निरन्तर मिल रही है। पथ प्रेरक को प्राप्त ऐसी सूचनाओं का संकलन प्रस्तुत है।

डिंपलकंवर पुत्री ओमसिंह वरिया (बाड़मेर) 10वीं आरबीएसई में 84.55 प्रतिशत।

दीपिका कंवर पुत्री पदमसिंह तिलवाड़ा (बाड़मेर) 12वीं कला वर्ग आरबीएसई में 86.40 प्रतिशत।

अंकिता कंवर पुत्री मनोहर सिंह गांव दावां नोखा जिला बीकानेर कक्षा 12वीं विज्ञान आरबीएसई में 88.40 प्रतिशत।

भावना कंवर पुत्री भंवर सिंह गांव बूंगडी जिला जोधपुर हाल नोखा, बीकानेर, 12वीं आरबीएसई में विज्ञान 86 प्रतिशत।

सुन्दर सिंह पुत्र भंवर सिंह गांव कंवलीसर बीकानेर कक्षा 12वीं कला वर्ग 81.60 प्रतिशत।

लक्ष्मण सिंह पुत्र जोरावरसिंह, गांव-चांदणा (जालोर) कक्षा 12वीं कला आरबीएसई में 81.20 प्रतिशत।

जितेन्द्रसिंह पुत्र विनोदसिंह धमोरा, झुंझुनूं ने आरबीएसई की 12वीं परीक्षा में 84.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है एवं जेईई (एडवांस) में चयन। 3378वीं रैंक।

(पृष्ठ एक का शेष)

बदले की... बैठक में तय किया गया कि सर्वसमाज का प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री से मिलकर सरकार द्वारा की जा रही द्वेषतापूर्ण कार्रवाई से उन्हें अवगत करवाएगा। कलक्टर सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई अविधिपूर्वक कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति एवं राज्यपाल को ज्ञापन दिया जाएगा एवं प्रशासनिक तंत्र की शिकायत व्यवस्था का उपयोग कर तथ्यों सहित प्रभावी शिकायत की जाएगी। बाड़मेर की तर्ज पर ही झुंझनूं एवं दौसा में भी राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिए गए। इस बीच 21 जून को राजस्थान हाईकोर्ट ने आजादसिंह को 15 दिन की जमानत देते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

आधुनिक सीकर... अपनी जनता के प्रति प्रेम का ही परिणाम था कि 1938 में जयपुर की फौज से उनकी रक्षा के लिए आम जनता ने हथियार उठाए थे। जैन स्कूल में आयोजित हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेन्द्रसिंह ने की एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेन्द्रसिंह शेखावत मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा पूर्व मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र पारीक, राज्यसभा सदस्य मदनलाल सैनी, विधायक रतन जलधारी, गोवर्धन वर्मा, सभापति जीवण खां, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सिंघानिया, चितरंजनसिंह, पवन मोदी आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति में जयंती मनाई गई। इतिहासकार महावीर पुरोहित की पुस्तक 'जन हृदय की स्पंदन लोक कल्याणकारी शासक राव राजा कल्याणसिंह जी, सीकर' का विमोचन भी इस अवसर पर किया गया। गढ़ परिसर में हुए कार्यक्रम में सांसद सुमेधानंद, कांता प्रसाद मोर, दयाराम महरिया, प्रमोद सिंघानिया, बाबूसिंह बाजौर आदि अतिथि के रूप में मौजूद रहे। दोनों ही कार्यक्रमों में जिला कलक्टर नरेश कुमार ठकराल मौजूद रहे। समारोह में राव शेखाजी अलंकरण की पुरस्कार राशि एक लाख रुपए एवं राव राजा कल्याणसिंह रत्न पुरस्कार की राशि 51 हजार करने की घोषणा की गई। नगर परिषद सभापति जीवन खां ने नगर परिषद के नए भवन का नाम श्री कल्याण नगर परिषद एवं बजरंग कांटा से कल्याण सर्किल तक की सड़क का नाम कल्याणसिंह मार्ग करने का प्रस्ताव भिजवाने की जानकारी दी। इसके अलावा स्मृति वन का नाम राव राजा कल्याणसिंह के नाम रखने, कल्याण सर्किल पर मूर्ति लगवाने एवं रोडवेज तिराहे पर महाराव शेखाजी सर्किल बनाने की मांग रखी गई। इस अवसर पर स्टेच्यू एवं शिलालेख अनावरण के समारोह भी आयोजित किए गए। वक्ताओं ने उनके द्वारा किए गए विभिन्न संस्थाओं के निर्माण, अस्पताल एवं शिक्षा केन्द्रों के निर्माण, बच्चों को अपने पास रखकर पढ़ाने, सर्वधर्म समभाव आदि कार्यों की जानकारी दी।

(पृष्ठ दो का शेष)

जीवनोपयोगी... NDA/NA, CDSE तथा SSB साक्षात्कार के संबंध में विस्तृत चर्चा प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी साझा करने के समय की जाएगी। UPSC द्वारा प्रवेश के इस माध्यम के अतिरिक्त IHQ MOD (Navy)/DMPR द्वारा शॉर्ट सर्विस कमीशन अथवा परमानेन्ट कमीशन हेतु अभ्यर्थियों का सीधा चयन भी किया जाता है। इसके अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों में आवेदन राष्ट्रीय समाचार पत्रों के माध्यमों से आमंत्रित करने के बाद अभ्यार्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर उन्हें SSB साक्षात्कार हेतु बुलाया जाता है। इसमें सफल अभ्यार्थियों को चिकित्सकीय परीक्षण के पश्चात् नौ सेना में प्रशिक्षण हेतु शामिल कर लिया जाता है।

उपरोक्त दो माध्यमों के अतिरिक्त नौ सेना अधिकारियों के चयन के लिए युनिवर्सिटी ऐन्ट्री स्कीम (UES) का भी प्रयोग करती है। इसके अन्तर्गत विभिन्न टीमें गठित कर देश भर के टेक्निकल कॉलेज में कैम्पस इन्टरव्यू के द्वारा अभ्यार्थियों का चयन SSB साक्षात्कार प्रक्रिया के लिए किया जाता है, जिसमें सफल होने पर उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया जाता है तथा फिट अभ्यर्थियों को नौ सेना अकादमी में प्रवेश मिलता है।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ विद्या ददाति विनयम्, विनयात याति पात्रताम् ॥ ॥ श्री शारदे नमः ॥

शहीद आजम सरदार भगतसिंह उ.मा. विद्यालय

तिंवरी, जोधपुर (राजस्थान)

जोधपुर जिले में विज्ञान वर्ग का सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम

दिनेश परिहार
बालरवा

मोनिका भाटी, बालरवा

अशोक कालवां, बड़ला बासनी

जितेन्द्र, बालरवा

सुनील नवल, मथानिया

गोपाराम, माणकलाव

जितेन्द्र साईं, गोपासरिया

माणकराम
बड़ला बासनी

12वीं कला वर्ग तिंवरी तहसील का सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम

तिंवरी तहसील में प्रथम

हंसराज गोदारा
आमला

CONGRATS
हार्दिक

तिंवरी तहसील में द्वितीय

10वीं-58% | 12वीं-91% | अंक सुधार-33%
बृजपाल सुथार
बडोड़ा गांव (जैसलमेर)

CONGRATS
बधाई

प्रतिवर्ष 25-30 विद्यार्थी श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों में भाग लेते हैं।

संघ के स्वयंसेवकों का परीक्षा परिणाम

कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग

कक्षा दसवीं

90% व अधिक	85% व अधिक	80% व अधिक	75% व अधिक	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	तृतीय श्रेणी	योग
6	12	22	35	93	57	1	151

महेन्द्रपालसिंह चारण (तिंवरी) | अशोक कुमार (मथानियां) | छंवरलाल (तिंवरी) | सुनिल (मथानियां) | तनसुख सुथार (घेवड़ा) | जसाराम (जेलू-गगाड़ी)

परीक्षा परिणाम एक नजर में

प्रतिशत	90% से ऊपर	80% से ऊपर	75% से ऊपर	60% से ऊपर	द्वितीय श्रेणी	योग
विज्ञान वर्ग	8	42	67	140	15	155
कला वर्ग	2	15	37	80	05	85
दसवीं	6	22	35	93	58	151

"शाबाश बहनों हमें आप पर गर्व है"
35 मेधावी बहनें गार्गी पुरस्कार की हकदार

छात्रावास सुविधा
M.: 9024435681

विद्यालय की विशेषताएँ
CCTV, PA SYSTEM & Smart Board
Bio Metric Attendance

निदेशक : श्री आईदानसिंह (मालूंगा) 9783789133
प्रधानाचार्य : श्री मोहनराम गोदारा (पहासला) 9024435681
प्रबन्ध निदेशक : श्री ताराचन्द लक्कार (तिंवरी) 9782619037
व्यवस्थापक : श्री नृसिंह भार्गव (तिंवरी) 97998-47607
कार्यालय प्रभारी : श्री रणजीतसिंह चौहान (भीकमकोर) 97826-19139

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org